रंजना आई.ए.एस.
महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा

महानिदेशालय विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
ननूरखेड़ा, तपोवन मार्ग,देहरादून
दूरभाष नम्बरः 0135–2780483 फैक्स– 2780140
E-Mail: dgeduuk@gmail.com

दिनांक, अगस्त, 2016

संदेश

आज भारतवर्ष अपनी स्वाधीनता की 69वीं वर्षगांठ हर्षोल्लास से मना रहा है। मैं शिक्षा विभाग के समस्त अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के साथ–साथ छात्र–छात्राओं एवं अभिभावकों को भी 70वें स्वाधीनता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें ज्ञापित करती हूँ।

राज्य सरकार, विद्यालयी शिक्षा विभाग, सर्व शिक्षा अभियान एवं राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान द्वारा भौतिक संसाधनों एवं ढाँचागत उपलब्धियों के साथ जन–जन तक शिक्षा का पर्याप्त विस्तार हो चुका है। माध्यमिक शिक्षा एवं प्राथमिक शिक्षा में प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक पदों पर पदोन्नति एवं प्रवक्ता एवं एल0टी0 पदों पर सीधी भर्ती/पदोन्नति के माध्यम से शिक्षकों को पदस्थापित कर रिक्त पदों को भरा गया है। शिक्षा में गुणवत्ता अभिवृद्धि एवं प्रतिस्पर्धात्मक युग की चुनौतियों के दृष्टिगत राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक ब्लॉक में 02 माध्यमिक, 01 जूनियर एवं 02 प्राथमिक स्तर के विद्यालयों को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया गया है।

प्राथमिक स्तर पर भाषा, गणित एवं विज्ञान विषयों को बोधगम्य बनाने एवं छात्र–छात्राओं में विषय के प्रति रूचि पैदा करने के दृष्टिगत शिक्षा के क्षेत्र में अन्य माध्यमों से भी सहयोग प्राप्त किया जा रहा है। ''जी0पी0एस0 सिस्टम'' एवं ''ई–पोर्टल'' के माध्यम से बेहतर शैक्षिक नियोजन, पारदर्शी प्रशासन एवं प्रबन्धन प्रदान करने की दिशा में विभाग अग्रसर है। ''सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन'', ''सम्प्राप्ति स्तर शिक्षण'' के माध्यम से छात्र–छात्राओं में शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों में बाल केन्द्रित, तनाव मुक्त मूल्यांकन के साथ सुधारात्मक/उपचारात्मक शिक्षण द्वारा अधिगम सुनिश्चित किया जा रहा है। कम्प्यूटर आधारित शिक्षण तकनीकी का प्रयोग, ''Tinkering Lab", "राष्ट्रीय आविष्कार'' अभियान के माध्यम से छात्र–छात्राओं में वैज्ञानिक रूचि एवं खोज की प्रवृत्ति विकसित करना एवं ''विद्यांजली योजना'' द्वारा जनमानस का सहयोग कौशल विकास हेतु लिया जा रहा है।

अतः शिक्षा विभाग से सम्बद्ध समस्त बुद्धिजीवियों से अपेक्षा है कि वे शिक्षा व्यवस्था के आधुनिकीकरण में विभाग द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं को सफल बनाने में यथा योग्य सहयोग प्रदान करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दें। शिक्षकों/प्रधानाध्यापकों/प्रधानाचार्यों से मेरी विशेष अपील है कि शैक्षिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु पूर्ण मनोयोग से कर्तव्यों का निर्वहन करें, यही देश के लिए सच्चा योगदान होगा।

जयहिन्द

(रंजना)
महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड